वर्ष-11 | अंक-15 | भोपाल, 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025 तक पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

भाषा और संस्कृति एक-दूसरे के हैं पूरकः मुख्यमंत्री

सात साल में सत्तर देशों तक पहुंचा विश्वरंग

विश्वरंग फांउडेशन के संस्थापक और रवीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. संतोष चौबे ने कहा कि विश्वरंग एक ऐसा आयोजन है, जिसकी शुरुआत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से हुई। विश्वरंग के पहले आयोजन 2019 में केवल 16 देश शामिल थे, अब इसमें 70 से अधिक देश सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सातवां आयोजन है। विश्वरंग में 40 देशों के 70 से अधिक साहित्यकार एवं पत्रकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन में 1000 से अधिक अतिथि आए हैं। विश्वरंग में 100 से अधिक हिंदी पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। आयोजन में श्रीकृष्ण लीला मंचन भी आकर्षण का केंद्र है। यह आयोजन युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोजगार प्राप्त करने में भी सहभागी बन रहा है। विश्वरंग में समाचार-पत्र, कला-संस्कृति एवं विज्ञान आधारित 7 अलग-अलग प्रदर्शनियां भी लगाई गई हैं। दुनिया के कई देशों में हिंदी को आगे बढ़ाने वाले साहित्यकार भारत आना चाहते हैं और सरकार के साथ मिलकर हिंदी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। वर्ष 2019 से 2024 तक, विश्वविद्यालय ने विश्वरंग के 6 भव्य और अविस्मरणीय आयोजन किए जो न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे विश्व में हिन्दी प्रेमियों को जोड़ने का अद्भुत प्रयास रहे हैं। विश्वरंग में 80 से अधिक सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी ओलंपियाड में 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वरंग फांउडेशन को अब सरकार का साथ मिल रहा है और अब मध्यप्रदेश सरकार इस विशिष्ट महोत्सव को शासन की ओर से आयोजित करने की ओर कदम बढ़ा रही है।

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक हैं। संस्कृति, भाषा को वह कथा-बीज देती है, जिनसे लोक-साहित्य से लेकर वैश्विक साहित्य जन्म लेता है और भाषा, संस्कृति को वह अभिव्यक्ति देती है, जिससे परंपराएं पीढ़ियों तक सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं। भाषा और संस्कृति दोनों एक-दूसरे की संरक्षक भी हैं। साहित्य का एक ही रंग होता है, राग और आनंद का। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हिन्दी भाषा सच्चे अर्थों में लोक भाषा है। हिन्दी हमारे माथे की बिन्दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारी हिन्दी वैश्विक मंच पर भारत की पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने अधिसत्ता नहीं, सदैव प्रभुसत्ता और लोक बन्धुत्व की भावना रखी। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की पवित्र भावना से ओत-प्रोत है। यही कारण है कि आज भारतीय संस्कृति दुनियाभर में अपनी अलग पहचान रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में साहित्य और कला के सबसे बड़े उत्सव 'विश्वरंग-2025 टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव% में देश-विदेश से आए साहित्यकारों, कलाकारों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत-अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सृजनात्मक और कलात्मक धरती हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति को जोड़ने वाली सेतु बन गई है। हमारा भोपाल अब भारतीय संस्कृति, भारतीय भाषा चेतना और वैश्विक साहित्यिक संवाद का केन्द्र बन गया है। महोत्सव में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में कई सत्र, कविता पाठ, पैनल चर्चा, कला प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वरंग का कैटलॉग, हिन्दी भाषा की मार्गदर्शिका एवं पुस्तकें भेंट की गईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना है और साहित्यकार एक प्रयोगधर्मी साधक है। साहित्यकार अपनी कल्पनाशीलता, चिंतन और रचनात्मकता से ऐसे शब्द गढ़ता है, जो कालांतर में अमर हो जाते हैं। उन्होंने साहित्य और कला को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि विश्वरंग जैसे आयोजन नई पीढ़ी में सृजनशीलता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर की विचारधारा और उनकी वैश्विक दृष्टि आज भी दुनिया भर में संवाद, सौहार्द और मानवता का संदेश देती है। विश्वरंग-2025 जैसा मंच साहित्य, कला, संगीत और संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है। यह आयोजन हमारी समृद्ध देशज कला एवं संस्कृति का पोषक है। यह हमारे साहित्यिक वैविध्य में भी एकात्मकता का संदेश देता है। साहित्य लोक-समाज को दिशा देने वाले कर्म के साथ हमारी जीवनधारा का मानस मर्म भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि दुनिया में कई देशों की अपनी-अपनी संस्कृति है। लेकिन भारत का उद्भव मातृ सत्ता के आधार पर विश्व बंधुत्व को लेकर आगे बढ़ने की रही है। ब्रिटिश काल से ही भारतवंशी दुनिया के अनेक देशों में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। भारतीय इतिहास पर नजर डालें, तो अंग्रेज कभी एग्रीमेंट कर भारतीयों को कृषि और पशुपालन सहित अन्य कार्यों के लिए अपने स्वामित्व वाले देशों में ले गए थे। इन्हीं को गिरमिटिया कहा गया है। तब अंग्रेजों ने देशभर से इन शुभ कार्यों के लिए सुयोग्य लोगों को चुना था। आज विश्वरंग के माध्यम से 70 देशों के साहित्यकार, कलाकार और संस्कृति संरक्षक भोपाल आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड के कठिन दौर में भारत ने जियो और जीने दो के भाव के आधार पर बंधुत्व का संदेश दिया। अफ्रीका महाद्वीप के कई देशों तक दवाएं और मेडिसिन भेजी गईं, जिसके बाद ऐसे भी दृश्य सामने आए जब एक देश के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद देते हुए उनके चरण भी स्पर्श किये। हमारा यह उदार भाव ही भारतवंशियों को गौरव का अनुभव कराता है। कुछ काम बोलकर नहीं होते, उन्हें करके ही दिखाना पड़ता है। कार्यक्रम में हिन्दी सेवी डॉ. सिद्धांत चतुर्वेदी, डॉ. अदिति चतुर्वेदी, डॉ. अरुण जोशी, श्री राहुल कोठारी एवं अतिथि सहित विद्वतजन, दुनियाभर से आए रचनाकार, साहित्यकार, भाषाविद्, हिन्दी प्रेमी, साहित्य प्रेमी और कलाप्रेमी उपस्थित थे।

साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025

आज प्तसागर में @BJP4MP प्रदेशाध्यक्ष श्री @Hkhandelwal के मार्गदर्शन में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण विषयक बैठक में सहभागिता का अवसर मिला।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

पूर्व प्रांताध्यक्ष कंसोटिया पर 65 लाख रुपए अवैध निकालने का आरोप, सीएम से शिकायत

आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन में प्रदर्शन

न्यूज क्राइम फाइल

ब्राह्मणों की बेटियों के खिलाफ बयान देने के मामले में अजाक्स के नव निर्वाचित अध्यक्ष और आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन (मंत्रालय) कैंपस के सामने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। संतोष वर्मा मुर्दाबाद और भगवान परशुराम की जय-जयकार करते हुए यहां पहुंचे कांग्रेस-बीजेपी समेत सभी दलों और संगठनों के लोगों ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इन सभी के द्वारा राज्य सरकार से मांग की गई है कि वर्मा का आईएएस अवॉर्ड वापस लिया जाए और एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

प्रदर्शन के दौरान ब्राह्मण समाज ने भरी हुंकार

तख्तियां लेकर पहुंचे लोगों ने जय श्री राम के भी नारे लगाए। पुलिस बल की मौजूदगी में हुए प्रदर्शन में मंत्रालय कर्मचारी अधिकारी संघ के सुधीर नायक के अलावा पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, बीजेपी नेता गिरीश शर्मा, पुष्पेंद्र मिश्रा, मयूर उपाध्याय समेत समाज के अन्य लोगों की मौजूदगी रही। इसके साथ ही संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया पर संघ के खातों से कथित रूप से 65 लाख रुपए निकालने को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। वर्मा के बयान को लेकर प्रदेशभर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को भी ब्राह्मण संगठनों ने रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया गया था। आज मंत्रालय में प्रदर्शन होगा। उधर, संघ के दूसरे धड़े के अध्यक्ष मुकेश मौर्य और उनके पदाधिकारियों ने 13 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर

संघ के खातों से 65 लाख रुपए निकाले जाने के मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

कंसोटिया पर राशि के दुरुपयोग का आरोप

संघ के दूसरे धड़े के प्रांतीय महासचिव मुरारी लाल लिथोरिया के हस्ताक्षरित ज्ञापन के अनुसार पूर्व प्रांताध्यक्ष जेएन कंसोटिया, तत्कालीन प्रांतीय महासचिव एसएल सूर्यवंशी पर विभागीय पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संगठन के स्क्क्ष्ढ़ टीटी नगर और क्क्ष्ह्ढ़ अरेरा कॉलोनी में संचालित खातों से 65 लाख रुपए अवैध रूप से निकाले गए है। संगठन के धन का दुरुपयोग और अमानत में खयानत की गई।

नई कार्यकारिणी मौर्य को बता रही जिम्मेदार

अजाक्स की नई कार्यकारिणी का दावा है कि दोनों बैंक खातों पर नियंत्रण मुकेश मौर्य के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी को मिलने के बाद भी राशि निकाली गई।

दो फाड़ हुआ अजाक्स, कोर्ट से लेकर रजिस्ट्रार तक मामला पहुंचा

अजाक्स में नेतृत्व को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा है। ग्वालियर में आमसभा के दौरान 29 जुलाई 2023 को मुकेश मौर्य को सर्वसम्मति से प्रांताध्यक्ष चुना गया था। इस चुनाव को तत्कालीन अध्यक्ष कंसोटिया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटी द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद मुकेश मौर्य की कार्यकारिणी को वैधता दी गई। फिर भी विवाद शांत नहीं हुआ। शिकायत के अनुसार सेवानिवृत्त अधिकारी गौतम पाटिल ने कंसोटिया को अनधिकृत रूप से पुन: महासचिव नियुक्त कर दिया और रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अपील दायर कर दी, जो वर्तमान में विचाराधीन है।

गंभीर आरोपों के चलते विवाद और बढ़ा

ज्ञापन में दावा किया गया है कि कंसोटिया ने संगठन पर दोबारा नियंत्रण बनाए रखने के लिए ऐसे व्यक्ति को महत्व दिया जिस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पत्र के अनुसार राजवीर अग्निहोत्री पर 2 अप्रैल 2018 को रेलवे ट्रैक उखाड़ने का आरोप है। वह कई महीने जेल में सजा काट चुका है और मुरैना पुलिस एवं रेलवे कोर्ट में अन्य प्रकरण भी दर्ज हैं। नई कार्यकारिणी का आरोप है कि ऐसे व्यक्तियों को पद देकर सामाजिक सौहार्द व संगठन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की मांग

मौर्य धड़े ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि 65 लाख के आर्थिक घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की जाए। कंसोटिया और राजवीर अग्निहोत्री पर वैधानिक कार्रवाई हो। अजाक्स पर आधिपत्य को वैधानिक रूप से मौर्य को दिलाया जाए। विभिन्न विभागों को भेजे जा रहे पत्रों पर रोक लगाई जाए।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सदस्य पहुंचने की आशंका

वल्लभ भवन स्थित प्रदर्शन को लेकर प्रशासन सतर्क है। दोनों गुटों के बीच विवाद लगातार बढ़ रहा है और सरकार के हस्तक्षेप तक टकराव बढ़ते रहने की संभावना है।

आईपीएस डी श्रीनिवास वर्मा प्रतिनियुक्ति से लौटेंगे: लवानिया की दिल्ली में पोस्टिंग के बाद गढ़पाले को पावर मैनेजमेंट कम्पनी का एमडी बनाया

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी कैडर के दिल्ली में पदस्थ आईपीएस अधिकारी और सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल एकेडमी के जाइंट सेक्रेट्री की प्रतिनियुक्ति खत्म हो गई है। वे जल्दी ही एमपी में वापसी करेंगे। उधर एमपी कैडर के आईएएस अधिकारी अविनाश लवानिया की केंद्र में प्रतिनियुक्ति के बाद राज्य सरकार ने ऊर्जा विभाग के सचिव विशेष गढ़पाले को एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी का एमडी बनाया है। लवानिया को जल्दी ही रिलीव किया जाएगा। वर्ष 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी श्रीनिवास वर्मा सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल एकेडमी में जॉइंट सेक्रेट्री के तौर पर काम कर रहे थे। जिन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 नवम्बर को जारी

निर्देश में एमपी कैडर में वापस भेजने का फैसला किया है। वर्मा की एमपी वापसी के बाद उन्हें एमपी कैडर में नई पदस्थापना दी जाएगी। उधर 2009 बैच के आईएएस अविनाश लवानिया को सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत दिल्ली में पदस्थ किया गया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने एमपी के चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखकर उन्हें रिलीव करने के लिए कहा है। इसके चलते मोहन सरकार ने लवानिया के स्थान पर नई पोस्टिंग भी कर दी है। चूंकि लवानिया एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी के एमडी की जिम्मेदारी निभा रहे थे और रबी सीजन पीक पर होने के कारण इस समय बिजली की डिमांड प्रदेश में तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते ऊर्जा विभाग में सचिव के पद पर पदस्थ विशेष गढ़पाले को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025

24 जैन तीर्थंकरों ने समाज को करुणा, मैत्री, अहिंसा तथा जियो और जीने दो के पावन संदेश से विश्व मानवता को अनुपम प्रेरणा दी। उनकी यह शिक्षा परंपरा आज भी पूर्णतः प्रासंगिक है।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

एमपी में बच्ची से रेप के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

पुलिस की पंक्चर गाड़ी से कूदकर भाग रहा था; पैर में गोली मारकर पकड़ा

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के रायसेन में 6 साल की बच्ची से रेप करने का आरोपी सलमान गुरुवार देर रात शॉर्ट एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस जब उसे गौहरगंज ले जा रही थी, तभी उसने भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को उसे पैर में गोली मारना पड़ी। आरोपी का भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। सलमान पर आरोप है कि 21 नवंबर को वह बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर जंगल में ले गया। वहां उसके साथ रेप कर फरार हो गया। इलाके में तब से ही घटना के विरोध में धरना-प्रदर्शन चल रहा था। लोग आरोपी के एनकाउंटर की मांग कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मुताबिक, रायसेन जिले के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी सलमान को गुरुवार रात भोपाल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद जब उसे गौहरगंज ले जाया जा रहा था, तब पुलिस की गाड़ी औबेदुल्लागंज क्षेत्र के जंगल में पंक्चर हो गई। खरपुसे ने बताया, घटना रात करीब 3-4 बजे के बीच की है। आरोपी को गाड़ी में लेकर जा रहे थे। रास्ते में कील के कारण गाड़ी पंक्चर हो गई। बैकअप में एक और गाड़ी थी। उसे दूसरी गाड़ी में शिफ्ट करना था। उसी दौरान आरोपी ने सुल्तानगंज के थाना प्रभारी श्याम राज की पिस्टल को निकाल लिया। उनके ऊपर पिस्टल चलाने की कोशिश की। उन्होंने अपने बचाव में आरोपी का हाथ पकड़कर पिस्टल ऊपर कर दी। इस दौरान दो फायर हुए। इसके बाद दूसरी टीम ने क्रॉस

सलमान, आरोपी

फायरिंग कर उसे पकड़ा। वह भागने का प्रयास कर रहा था। उसे पैर में गोली लगी है। वहीं थाना प्रभारी को भी चोट आई है। उनका बैच गिर गया। घटना के बाद भोपाल फॉरेंसिक साइंस लैब के इंचार्ज डॉक्टर एके बड़ोने ने अपनी टीम के साथ मौके का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि पुलिस के साथ जो संघर्ष हुआ है। उसके साक्ष्य मिले हैं। इसका हम परीक्षण कर रिपोर्ट देंगे। इसके अलावा रायसेन पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर किसी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाली, भड़काऊ या हिंसा को उकसाने वाली सामग्री, पोस्ट साझा नहीं करने की चेतावनी दी।

6 दिन बाद भोपाल से पकड़ा गया आरोपी

पुलिस ने घटना के 6 दिन बाद गुरुवार रात आरोपी सलमान को गांधी नगर इलाके में एक चाय की दुकान से हिरासत में लिया। इसके बाद उसे गौहरगंज पुलिस के हवाले किया गया। गौहरगंज पुलिस उसे लेकर रात में ही रवाना हो गई थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जंगलों के रास्ते पैदल ही भोपाल में दाखिल हुआ था और गांधीनगर इलाके में छिपा हुआ था। सलमान के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही जय मां भवानी हिंदू संगठन के कार्यकर्ता थाने पहुंचे थे, लेकिन उससे पहले ही आरोपी को गौहरगंज पुलिस को सौंपा जा चुका था।

अब्दुल, रिजवान और आसिफ की मदद से पकड़ा आरोपी

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आरोपी को पकड़वाने में नई बस्ती में रहने वाले अब्दुल, रिजवान और आसिफ नाम के युवकों की अहम भूमिका थी। अब्दुल के मुताबिक, हम लोग बस स्टैंड पर थे। आसिफ भाई का फोन आया कि एक व्यक्ति किराए से कमरा मांग रहा है। उसने फोटो भेजा। मैं सोशल मीडिया पर एक्टिव हूं। मुझे ये रायसेन के आरोपी जैसा लगा। मैंने आसिफ से कहा- इसे रोक कर रखो। हम लोग आ रहे हैं। हमारे रिजवान भाई ने राहुल भाई गुरुजी पुलिस वाले हैं। उन्हें फोटो सेंड किया। उन्होंने कहा, उसे वहीं रोक कर रखो। तीनों युवकों का कहना था कि हमें इनाम के पैसे नहीं चाहिए। हम चाहते हैं कि वो पैसा पीड़ित लड़की को दिया जाए। दरिंदे को फांसी होनी चाहिए। रेप के आरोपी सलमान के शॉर्ट एनकाउंटर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, मैंने पहले ही कहा था। अपराधी जमीन में छिपा हो या आसमान में। उसे ढूंढ लिया जाएगा। दरिंदे सलमान ने बेटी के साथ जो दुराचार किया है। उसे फांसी मिलनी चाहिए। हिंदू समाज में इस घटना के बाद गुस्सा है। हम न्यायालय से मांग करते हैं कि दरिंदे सलमान को फांसी दी जाए। इस तरह के अपराधियों को सार्वजनिक कुचलने की जरूरत है, जिससे ऐसा अपराध करने से पहले कोई 100 बार सोचे।

हमीदिया अस्पताल के बाहर हिन्दू संगठनों का प्रदर्शन

रेप केस के आरोपी सलमान की गिरफ्तारी के बाद हिंदू संगठनों ने गोली मारने की मांग की है। शुक्रवार सुबह हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच के पदाधिकारी हमीदिया अस्पताल पहुंचे और नारेबाजी की। अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने आरोपी के भोपाल में होने और जिम्मेदारों के सूचना तंत्र को कमजोर बताते हुए कहा कि आरोपी को गोली मार देना चाहिए।

करणी सेना ने 30 दिन में बीच चौराहे पर फांसी देने की मांग की

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा शुक्रवार को रायसेन एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दुष्कर्म के आरोपी सलमान को 30 दिन के अंदर बीच चौराहे पर फांसी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे पहले डेढ़ साल की बच्ची से ऐसी घटना हुई थी उसे समय 40 दिन में कोर्ट ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाई थी। इसी तरह इस आरोपी को भी 30 दिन में फांसी की सजा होना चाहिए।

निगम कमिश्नर ने जताई नाराजगी; कोलार में सीएम इंफ्रा में लापरवाही, 2 इंजीनियर सस्पेंड

भोपाल में अब बिना परमिशन पेड़ काटा तो जाएंगे जेल

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में अब कहीं भी बिना परमिशन के पेड़ काटा तो जेल जाना पड़ सकता है। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रूबनल) के आदेश के बाद नगर निगम भी सख्त हुआ है। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने पेड़ कटाने की अनुमति की शाखा खुद अपने हाथों में ली है। वे ही अनुमति जारी करेंगी। इधर, कमिश्नर जैन ने कोलार रोड पर सीएम इंफ्रा में लापरवाही बरतने पर दो इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। कोलार क्षेत्र में सीएम इंफ्रा के तहत निर्मित सीसी सड़क के कार्यों में लापरवाही बरतने एवं संतोषजनक जानकारी न देने पर जोन नंबर-18 के प्रभारी

सहायक यंत्री (यांत्रिक) मनीष सिंह एवं उपयंत्री (यांत्रिक) हर्षदीप सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वार्ड नंबर-83 में सीएम इंफ्रा के तहत निर्मित सड़क की स्थिति मानक स्तर की गुणवत्ता की न होने और जगह-जगह गड्ढे, सतह खराब होने पर सख्त नाराजगी जताते हुए कमिश्नर जैन ने यह कार्रवाई की। वहीं, कार्यपालन यंत्री कोलार एसके राजेश को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कमिश्नर ने सीएम इंफ्रा के तहत निर्माणाधीन सड़क की कोर कटिंग कर जांच कराने के अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिए। कमिश्नर जैन ने एक दिन पहले गुरुवार को निगम ऑफिस में समीक्षा बैठक की। इस दौरान बिना अनुमति के पेड़ काटने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब शहर में यदि कोई भी बिना अनुमति वृक्ष काटेगा तो उसे जेल तक भी जाना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में निगम कमिश्नर जैन ने आयुक्त में निहित वृक्ष अधिकारी की पूर्व में प्रत्यायोजित शक्तियों को निरस्त कर दिया है। अब वे स्वयं वृक्ष अधिकारी के रूप में वृक्ष काटने की अनुमति जारी करेंगी।

पेड़ों की कटाई-छंटाई पर भी नाराजगी

कमिश्नर जैन ने शहर में बिना अनुमति के पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई पर नाराजगी जाहिर करते हुए सख्त निर्देश दिए कि बिना अनुमति के शहर में कहीं भी पेड़ों की कटाई-छंटाई न होने दी जाए। यदि कोई भी बिना अनुमति के वृक्षों की कटाई-छंटाई करता है तो उसके विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बाइक मक्खन की तरह चलती रहे, उसके लिए इंजन ऑयल बदलना जरूरी है, वैसे ही देश में लोकतंत्र की गाड़ी ठीक चलती रहे, उसके लिए एसआईआर जरूरी है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय, यह भारतीय विचारधारा है। भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर कुछ मीठा हो जाए जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं; होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है; महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है; माई बॉडी माई चोईस; हमको भारत में रहने में डर लगता है आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके।

संपादकीय

राष्ट्रमंडल खेल 2030 और बुलेट ट्रेन... यानि गुजरात में फिर से भाजपा जीतेगी

2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) की मेजबानी अहमदाबाद को आधिकारिक रूप से सौंप दी गई है जिससे गुजरात की और तेज तरक्की का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हम आपको बता दें कि अब अहमदाबाद-गांधीनगर क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार तेज होगी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली से मंजूरी के बाद गुजरात सरकार ने घोषणा की है कि सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और करई पुलिस अकादमी स्पोर्ट्स हब का निर्माण अप्रैल 2026 में शुरू होकर 2028-29 में पूरा होगा। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे देश के भविष्य का परिवर्तनकारी मॉडल बताया था। देखा जाये तो राष्ट्रमंडल खेल और बुलेट ट्रेन, दोनों बड़े प्रोजेक्ट मिलकर गुजरात को एक नई पहचान देने जा रहे हैं और साथ ही यह 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को भी लगभग सुनिश्चित करेंगे। आज गुजरात एक बार फिर परिवर्तन के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और इस बार यह परिवर्तन न केवल आर्थिक या विकास का है, बल्कि राजनीतिक भविष्य का भी निर्धारक है। अहमदाबाद में 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी और मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की तेज़ी से हो रही प्रगति ने गुजरात को वैश्विक मानचित्र पर नए अवतार में पेश करना शुरू कर दिया है। यह वही गुजरात है जिसने 2001-2014 के बीच विकास के जो बीज बोए थे, वे अब अंतरराष्ट्रीय रूप लेकर सामने आ रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के गुजरात में होने का मतलब है राज्य की खेल अधोसंरचना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास होगा, युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा, राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग होगी और आने वाले दशक में गुजरात को भारत की खेल राजधानी बनाने की तैयारी भी साफ दिखाई दे रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव, करई पुलिस अकादमी स्पोर्ट्स हब, नए एथलीट विलेज, हाई-परफॉर्मेंस लैब, विश्वविद्यालय आधारित स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, ये सब गुजरात को 2030 के बाद भी स्थायी लाभ देंगे। यह वही विरासत मॉडल है जिसने लंदन 2012 और बर्मिंघम 2022 को बदल दिया। अब यही मॉडल गुजरात में दिखेगा। हम आपको बता दें कि राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से गुजरात में 20,000 से ज्यादा होटल कमरों की मांग, नए स्टार्टअप, पर्यटन में उछाल और 30,000 से ज्यादा नौकरियाँ बनेंगी। यह सिर्फ खेल नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण है। कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग लेने जब पूरी दुनिया के लोग अहमदाबाद आयेंगे तो वह बाजारों से खरीदारी भी करेंगे, घूमने के लिए राज्य के विभिन्न इलाकों में भी जाएंगे जिससे गुजरात के कारोबारियों को बड़ी कमाई होना तय है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री द्वारा सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण गुजरात के तेज़ी से बदलते परिवहन ढांचे की झलक है। 508 किलोमीटर के इस कॉरिडोर ने गुजरात को देश का पहला हाई-स्पीड रेल राज्य बनाने की तैयारी पूरी कर दी है। हम आपको बता दें कि 85त्न से अधिक मार्ग वायाडक्ट पर है, 17 नदी पुल तैयार हैं, सूरत-बिलिमोरा सेक्शन लगभग पूरा हो गया है और 2026 तक दो गुना क्षमता वाला एयरपोर्ट बन जायेगा।

आज भोपाल के एम्स अस्पताल पहुँचकर रायसेन की 6 वर्ष की मासूम रेप पीड़िता के स्वास्थ्य की जानकारी ली और डॉक्टरों से बच्ची के उपचार, सुरक्षा और आगे की चिकित्सा ज़रूरतों के संबंध में चर्चा की।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

पीड़ित बोला- कमरे में बंद किया, मोबाइल छीना; प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा- पुलिस खड़ी देखती रही

भोपाल में फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष ने युवक को पीटा

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी भोपाल में फार्मेसी काउंसिल कार्यालय के अंदर एक युवक की बेरहमी से पिटाई और घसीटकर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित तुषार सुनार का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह खुद पर हुए हमले का पूरा घटनाक्रम बताकर अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगा रहा है। तुषार का दावा है कि फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन, केके यादव और अन्य अधिकारियों ने उसे कमरे में बंद कर मारपीट की, उसके प्राइवेट पार्ट पर हमला किया और मोबाइल छीन लिया। वारदात के वक्त मौजूद पुलिसकर्मी भी न सिर्फ बेबस देखता रहा, बल्कि अधिकारियों ने युवक पर वीडियो डिलीट कराने का दबाव बनाते हुए उसे लगातार पीटा।

मेरा नाम तुषार है, मुझे घसीटकर मारा गया

वायरल वीडियो में तुषार रोते हुए बता रहा है कि मेरा नाम तुषार सुनार है। फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन, केके यादव, गोपाल यादव और अन्य अधिकारियों ने मुझे खूब मारा है। मुझे घसीटकर अंदर ले गए। मेरे प्राइवेट पार्ट पर भी मारा है, ब्लीडिंग हो रही है। मुख्यमंत्री से गुहार है कि कार्रवाई करें।

डिजिटल साइन पेंडिंग, एक महीने से लग रहे थे चक्कर

तुषार के मुताबिक, वह पिछले एक महीने से डिजिटल साइन पेंडिंग को लेकर काउंसिल के चक्कर काट रहा था। हर बार उसे टरका दिया जाता है। लास्ट बार वह रजिस्ट्रार मैडम से मिलने गया तो उनको बताए बिना लंच पर चली गईं और घंटों लौटकर नहीं आईं। शुक्रवार को जब वह दोबारा पहुंचा और मिलने की कोशिश की तो गार्ड ने उसे रोक लिया।

गार्ड से बहस, चैनल से टकराकर घायल

तुषार ने बताया कि गार्ड ने उसका कॉलर पकड़ा और उसे धक्का दिया। जब उसने खुद को छुड़ाया तो गार्ड पीछे की ओर गिर गया और चैनल से टकरा गया। इसके बाद पूरा स्टाफ बाहर आ गया और तुषार का कहना है कि सभी अधिकारी उसे घेरकर मारने लगे। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने भी इसकी पुष्टि की कि गार्ड ने पहले युवक का कॉलर पकड़ा था, उसके बाद मारपीट शुरू हुई।

अधिकारियों ने छीना फोन, कमरे में बंद कर पिटाई

तुषार के मुताबिक उसने सिर्फ अपनी सुरक्षा के लिए वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू किया, ताकि उसके पास सबूत रहे। लेकिन वीडियो बनते देख अधिकारी भड़क गए। मेरा फोन छीन लिया। इसके बाद वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाया गया। मुझे घसीटकर कमरे में बंद किया। अध्यक्ष संजय जैन खुद मार रहे थे। यही नहीं, वायरल फुटेज में 3 से 4 लोग तुषार को जमीन पर घसीटते हुए अंदर ले जाते साफ दिखाई दे रहे हैं।

लोग बोले- पुलिस खड़ी देखती रही

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि वहां एक पुलिसकर्मी मौजूद था, लेकिन उसने तुषार को बचाने की कोशिश नहीं की। अधिकारी युवक को पुलिस के हवाले करने के बजाय खुद ही सजा देने में लगे रहे। एक महिला प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि अधिकारी धमकी दे रहे थे कि अगर कोई वीडियो बनाएगा तो उसका रजिस्ट्रेशन या रिनुअल नहीं किया जाएगा।

युवक ने मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग की

तुषार और उसके परिवार ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि फार्मेसी काउंसिल अध्यक्ष संजय जैन समेत अन्य अधिकारी केके यादव, गोपाल यादव और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ स्द्धक्र दर्ज हो और कड़ी कार्रवाई की जाए। घटना के बाद काउंसिल की ओर से अभी तक कोई औपचारिक प्रेस बयान नहीं आया है। मामले में अध्यक्ष संजय जैन को कई बार फोन किए गए। उन्होंने एक बार फोन उठाया लेकिन सवाल सुनते ही कट कर दिया। इसके बाद उन्हें मैसेज भी किया गया लेकिन जबाव नहीं आया।

एबीवीपी कर रहा प्रदर्शन

एबीवीपी का प्रदर्शन फार्मेसी काउंसिल पर चल रहा है। एबीवीपी के पदाधिकारी शिवम जाट ने मांग की है कि जल्द से जल्द संजय जैन अध्यक्ष पद से इस्तीफा दें। जब तक संजय जैन इस्तीफा नहीं देंगे तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं कुछ ही देर में संजय जैन का पुतला भी दहन करेंगे। एबीवीपी के प्रदर्शन से पहले एनएसयूआई ने भी यहां पर जमकर नारेबाजी की। साथी अध्यक्ष के बोर्ड पर कालिख पोत कर अपना विरोध जताया।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापक, लक्ष्मीबाई केलकर जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

सागर में घेरकर सड़क पर घसीटा;15 हमलावर बोले- इसके पैर तोड़ दो

हिस्ट्रीशीटर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र के लाजपतपुर में हिस्ट्रीशीटर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार को वारदात का वीडियो सामने आया है, जिसमें आरोपी डंडों से बदमाश को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। वारदात 25 नवंबर की रात की है। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर की रात सुशील चौबे (40) निवासी बाहुवली कॉलोनी रास्ते के समय लाजपतपुर क्षेत्र में गली से जा रहा था। जहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद में कुछ लोगों ने उसके साथ डंडों से जमकर मारपीट की। मारपीट में आई चोटों से वह गंभीर घायल हुआ। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 27 नवंबर को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम कराया गया है। शव परिवार वालों को सौंप दिया गया है।

भाई ने कहा- लोगों ने बेरहमी से पिटाई की

वारदात का वीडियो शुक्रवार को सामने आया। वीडियो में करीब 15 लोग हाथों में डंडे लेकर सुशील चौबे से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। वे कह रहे है कि इसके पैर तोड़ दो। इसी दौरान वीडियो में एक युवक सुशील को घसीटने की बात भी कह रहा है। सुशील के बड़े भाई सुधीर चौबे ने बताया कि लाजपतपुर में कुछ लोगों ने भाई के साथ बेरहमी से मारपीट की है। मारपीट में आई चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। मारपीट करने वालों में तुलसी प्रजापति और अन्य लोग शामिल हैं। मारपीट किस बात पर की, यह पता नहीं है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस ने कहा- आरोपियों की कर रहे तलाश

कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि सुशील चौबे के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी। घटना के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हुई है। पोस्टमॉर्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। सुशील चौबे कोतवाली और गोपालगंज थाने का निगरानी बदमाश था। उसके खिलाफ पूर्व से पैसे छीनना, मारपीट करने जैसे करीब दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जबलपुर में लापता डॉग के पोस्टर लगे; गुमशुदगी की एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर के राइट टाउन में रहने वाले डॉक्टर परिवार की ल्हासा अप्सो फीमेल डॉग 'मैगी' 19 नवंबर से लापता है। परिवार ने शहरभर में गुमशुदगी के पोस्टर लगाकर 10 हजार रुपए इनाम की घोषणा की है।डॉ. अखिलेश तिवारी का कहना है कि मैगी डॉग नहीं, बल्कि उनकी बेटी जैसी थी- उसके गायब होने से घर में सन्नाटा है। परिवार ने मदनमहल थाने में स्न्नक्रदर्ज कराई है और लोगों से मदद की अपील की है।

डॉक्टर ने कहा- बेटी जैसी थी

राइट टाउन निवासी डॉ. अखिलेश तिवारी की 9 साल से परिवार के सदस्य की तरह पाली गई ल्हासा अप्सो डॉग 'मैगी' 19 नवंबर को अचानक घर से लापता हो गई। डॉक्टर और उनके परिवार ने कई घंटे तक तलाश की,

आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी देखे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने शहरभर में मैगी के गुम होने के पोस्टर लगाए और उसे तलाश कर लाने वाले को 10 हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की। डॉ. तिवारी ने कहा- %मैगी कोई डॉग नहीं, मेरी बेटी जैसी हैज उसके बिना घर सूना लग रहा है।

कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर में आयोजित संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता %षष्ठम जाबाली कप - 2025 के आयोजन में सम्मिलित होकर प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025

संविधान दिवस पर मैंने देशभर के अपने परिवारजनों के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें हमारे संविधान की महानता, जीवन में मौलिक कर्तव्यों का महत्त्व और हमें पहली बार मतदाता बनने का उत्सव क्यों मनाना चाहिए, ऐसे कई विषयों पर अपने विचार साझा किए हैं।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

माही और उनके परिवार के साथ डिनर किया, धोनी ने खुद ड्राइव कर विराट को घुमाया

एमएस धोनी के घर पहुंचे विराट कोहली और ऋषभ पंत

न्यूज क्राइम फाइल

रांची के धुवा के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले वनडे मुकाबले के लिए भारत-दक्षिण अफ्रीका टीम के सभी खिलाड़ी रांची पहुंच गए हैं। रात करीब 8:45 बजे विराट कोहली और ऋषभ पंत दलादली स्थित पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के घर पहुंचे। दोनों खिलाड़ी अलग-अलग कार में थे। जैसे ही दोनों खिलाड़ियों की गाड़ियां धोनी के घर के बाहर पहुंची, वहां मौजूद प्रशंसक क्रिकेटर्स की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। विराट और पंत करीब 2 घंटे धोनी के घर पर रहे। धोनी और उनके परिवार के साथ डिनर किया। बाद में धोनी को कोहली को उनके घर से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान एमएम धोनी खुद गाड़ी ड्राइव कर रहे थे।

दोनों टीमों ने स्टेडियम में जोरदार अभ्यास किया

इधर, इससे पहले गुरुवार को दोनों टीमों ने स्टेडियम में जोरदार अभ्यास किया। भारतीय टीम के दिग्गज विराट कोहली, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा सहित अन्य खिलाड़ियों ने नेट में लंबा समय बिताया और बल्लेबाजी फील्डिंग की जमकर प्रैक्टिस की।

क्रिकेट प्रेमियों ने प्रैक्टिस सेशन का भी भरपूर आनंद लिया

प्रैक्टिस के दौरान विराट कोहली ने बैक-फुट पंच, शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर पुल शॉट और स्पिन के खिलाफ कवर्ड ड्राइव पर विशेष रूप से काम किया। रोहित शर्मा ने स्विंग गेंद पर फ्रंट फुट डिफेंस, पिकअप पुल और स्लॉग स्वीप की कई रिपीटेशन की। क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों के प्रैक्टिस सेशन का भी भरपूर आनंद लिया।

सोना रू.534 महंगा होकर 1,26,591 रुपए पर पहुंचा

चांदी भी रू.1,692 महंगी हुई; इस साल गोल्ड रू. 50,500 और सिल्वर रू. 78,000 महंगी हुई

न्यूज क्राइम फाइल

सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार 28 नवंबर तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 534 रुपए महंगा होकर 1,26,591 रुपए पर पहुंच गया है। कल 10 ग्राम सोना 1,26,057 रुपए का था। वहीं, चांदी 1,692 रुपए महंगी होकर 1,64,359 रुपए पर पहुंच गई। गुरुवार को चांदी की कीमत 1,62,667 रुपए प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यो होते हैं?

IBJA की सोने की कीमतों में 3त्र त्रस्ङ्ग, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना रू.50,429 और चांदी रू.78,342 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 50,429 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,26,591 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 78,342 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,64,359 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें- हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

एपल भारत में पांचवां स्टोर खोलेगा

न्यूज क्राइम फाइल

एपल ने भारत में अपना पांचवां रिटेल स्टोर 11 दिसंबर को नोएडा के छ्रस्न मॉल ऑफ इंडिया में खोलने का ऐलान किया है। यह दिल्ली NCR का दूसरा स्टोर होगा, पहला अप्रैल 2023 में दिल्ली में खुला था। बेंगलुरु (2 सितंबर) और पुणे (4 सितंबर) के बाद 2025 में एपल का यह तीसरा स्टोर ओपन होगा। CEO टिम कुक ने कहा था कि भारत में मुंबई-दिल्ली के अलावा चार और स्टोर खोले जाएंगे। नोएडा स्टोर में आईफोन 17 सीरीज, स्रू-पावर्ड मैकबुक प्रो और 14 मैकबुक प्रो जैसे लेटेस्ट प्रोडक्ट्स मिलेंगे। कस्टमर्स नए फीचर्स ट्राई कर सकेंगे। स्पेशलिस्ट, क्रिएटिव्स, जीनियस और बिजनेस टीम्स एक्सपर्ट सपोर्ट देंगे। एपल के लिए भारत लगातार महत्वपूर्ण बाजार के रूप में उभरा है। मार्केट ट्रैकर IDC के अनुसार, 2025 में कंपनी देश में 15 करोड़ आईफोन बेच सकती है।

मोदी जी ने बताया कि कैसे गुलामी की मानसिकता वालों ने प्रभु श्री राम को नकार दिया था और उन्हें काल्पनिक तक घोषित कर दिया था।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

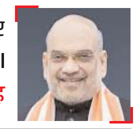

लोकायुक्त टीम को धक्का देकर भागा रिश्वतखोर कॉन्स्टेबल

रिश्वत के 12 हजार रुपए साथ ले गया, थाना प्रभारी पर भी भ्रष्टाचार का केस

न्यूज क्राइम फाइल

टीकमगढ़ में लोकायुक्त टीम को धक्का देकर रिश्वतखोर कॉन्स्टेबल भाग गया। कॉन्स्टेबल पंकज यादव पर रिश्वत लेने का आरोप था। लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह टीम को धक्का देकर भाग निकला। कॉन्स्टेबल पंकज यादव अपनी जैकेट और कार (एमपी 04 सीजेड 7719) मौके पर ही छोड़ गया, लेकिन रिश्वत के तौर पर लिए गए 12 हजार रुपए अपने साथ ले गया। लोकायुक्त टीम ने आरक्षक की कार को जब्त कर देहात थाने पहुंचाया। घटना गुरुवार देर रात कलेक्टोरेट के पास हुई, जहां सागर लोकायुक्त टीम के छह सदस्यों ने आरक्षक पंकज यादव को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया था।

जमानत दिलाने के नाम पर आरक्षक ने मांगे 20 हजार

सागर लोकायुक्त टीआई कमल सिंह उइके ने बताया कि 21 नवंबर को आवेदक अंकित तिवारी के खिलाफ कोतवाली थाने में एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। आरक्षक पंकज यादव ने इस मामले में जमानत दिलाने और बचाने के एवज में 20 हजार रुपए की मांग की थी।

8 हजार रुपए पहले ले चुका था आरक्षक

आवेदक अंकित तिवारी पहले ही आरक्षक को 8 हजार रुपए दे चुका था। शेष 12 हजार रुपए गुरुवार रात को कलेक्टोरेट के पास दिए जाने थे, तभी लोकायुक्त टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। आरक्षक पंकज यादव के भागने का एक वीडियो भी सामने आया है। लोकायुक्त टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है। टीआई उइके ने यह भी बताया कि इस मामले में कोतवाली टीआई बृजेंद्र चाचौंदिया पर भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

थाना प्रभारी का ऑडियो लोकायुक्त के पास

लोकायुक्त टी कमल सिंह का कहना है कि रिश्वत मांगने के मामले में कोतवाली थाना प्रभारी बृजेंद्र चाचौंदिया का ऑडियो भी उनके पास है, जिसके चलते आरक्षक पंकज यादव के अलावा कोतवाली थाना प्रभारी के खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

2014 में हुई थी अनुकंपा नियुक्ति

पिता गोविंद यादव की मौत के बाद पुलिस विभाग ने साल 2014 में कॉन्स्टेबल पंकज यादव को अनुकंपा नियुक्ति दी थी। पंकज के पिता गोविंद यादव की बल्देवगढ़ से जतारा जाते समय सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

---

25 सेकेंड में 13 घूंसे, 5 बार पत्थर मारकर हत्या

मंदसौर में लोग तमाशा देखते रहे; सड़क किनारे खून से लथपथ पड़ा रहा युवक

न्यूज क्राइम फाइल

मंदसौर में आरोपी ने एक युवक को 25 सेकेंड में लगातार 13 बार घूंसे मारे। इसके बाद नीचे पड़ा नुकीला पत्थर उठा लिया। आरोपी ने पत्थर से पहले दो बार युवक के सिर पर वार किया। फिर तीन बार पेट पर वार कर हत्या कर दी। ये पूरी घटना पास ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। युवक की हत्या के दौरान गाड़ियां गुजर रही थीं। सामने दुकानें खुली हुई थीं। वहां लोग खड़े होकर आरोपी को हमला करते हुए देख रहे थे, लेकिन किसी ने भी आगे आकर बीचबचाव नहीं किया। घटना कालाखेत इलाके में गुरुवार रात की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। मृतक की पहचान मुबारिक शेख (28) के रूप में हुई है। वह मदरपुरा का रहने वाला था और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजनों के अनुसार, वह गुरुवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकला था और देर रात तक वापस नहीं लौटा।

मुबारिक शेख, मृतक

खून से लथपथ पड़ा रहा युवक

जानकारी के मुताबिक, आरोपी दुकान के बाहर सो रहा था। मुबारिक वहां पहुंचा और आरोपी को उठाने की कोशिश करने लगा। इससे आरोपी इतना भड़क गया कि उसने मुबारिक पर हमला कर दिया। फिर घूंसे मारे। नीचे पड़े भारी पत्थर को उठाकर वार किया, जिससे मुबारिक के सिर से खून बहने लगा। देर रात मुबारिक खून से लथपथ सड़क किनारे मिला। लोगों से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी जहूर शाह निवासी प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में बने दिव्य और भव्य मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी और सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी ने आज पूरे विधि विधान के साथ धर्मध्वजा की स्थापना की है। यह भारत के सांस्कृतिक इतिहास का एक गौरवपूर्ण क्षण है।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

भीड़ ने पुलिस पर पत्थर फेंके, लाठी-डंडों से पीटा

राजगढ़ में डेढ़ घंटे घेरे रखा, वारंटी पकड़ने गए थे; हमले में कपड़े फटे, दो पुलिसकर्मी घायल

न्यूज क्राइम फाइल

राजगढ़ जिले के खिलचीपुर थाना क्षेत्र के अभयपुर गांव में गुरुवार को वारंटी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिसकर्मियों को डेढ़ घंटे तक घेरकर रखा गया, उन पर पत्थर फेंके गए और लाठी-डंडों से पीटा गया। हमले में पचोर थाने के पुलिसकर्मी अरविंद गोयल और गौरव सिंह घायल हुए हैं। भीड़ ने एक कार के कांच को भी तोड़ दिया। हमले के दौरान पुलिसकर्मियों के कपड़े भी फट गए। पुलिस टीम पचोर थाने से वारंटी को पकड़ने गांव पहुंची थी। टीम में वर्दीधारी और सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी शामिल थे। वे एक युवक को हिरासत में लेने का प्रयास कर रहे थे, तभी ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया।

ग्रामीणों ने अपहरण समझकर किया हमला

ग्रामीणों का कहना है कि पुरसिंह सौंधिया

जब मवेशियों को चारा डालकर लौट रहा था, तभी हनुमान जी के चबूतरे के पास एक कार से उतरे चार लोगों ने उसे पकड़ लिया और मारपीट करने लगे। आरोप है कि उन लोगों ने अपनी पहचान नहीं बताई और न यह बताया कि युवक को क्यों ले जाया जा रहा है। ग्रामीणों ने इसे अपहरण की कोशिश समझा, क्योंकि कुछ दिन पहले पास के धामनिया गांव से एक युवक लापता हुआ था। इसी आशंका के चलते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। ग्रामीणों को देखकर कार सवार लोग धामनिया की ओर भागे, ग्रामीणों ने पीछा कर चार लोगों को पकड़ लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में टकराव बढ़ गया। भीड़ ने पुलिस टीम को करीब एक घंटे तक रोके रखा।

फोर्स पहुंची, तब जाकर छुड़ाया गया

घटना की सूचना मिलते ही जिलेभर से पुलिस बल गांव पहुंचा, लेकिन काफी देर तक ग्रामीण पुलिस को छोड़ने को तैयार नहीं हुए। ग्रामीण लगातार यह कहते रहे कि ये लोग हमारे गांव के युवक का अपहरण करने आए थे। बाद में अतिरिक्त बल की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया और घायल पुलिसकर्मियों को खिलचीपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। खिलचीपुर एसडीओपी धर्मवीर सिंह नागर ने बताया कि थाना पचोर की टीम आरोपित की तलाश में आई थी। रेलवे ब्रिज के पास तीन संदिग्ध दिखाई दिए। रोकने के प्रयास में उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया।

सांसद शंकर लालवानी के बेटे को बैंक का नोटिस

क्रेडिट कार्ड से कर्जा लेकर गेम में हारा; मीत बोला- मैंने कोई लोन नहीं लिया

न्यूज क्राइम फाइल

सांसद शंकर लालवानी के लड़के से कर्जा वसूली के लिए बैंक लगातार तकादा कर रही है। सांसद के घर जाते हैं तो भैया नहीं हैं कहकर गार्ड लौटा देता है। सांसद ने बैंक वालों से कहा था कि बात करता हूं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। लालवानी के लड़के मीत लालवानी, निवासी 3, साकेत मनीषपुरी (लालवानी कंपाउंड) ने एचडीएफसी बैंक से 2014 में दो लाख रुपए क्रैडिट कार्ड पर लोन लिया था। बराबर किश्तें भर रहा था। बैंक लेन-देन भी ठीक था। 2019 में छह लाख रुपए लोन लिया। इसकी किश्तें भी बराबर जा रही थी। 2022 में 14 लाख रुपए लोन लिया। 2024 से मामला गड़बड़ हो गया। बैंक की किश्तें भरना बंद कर दी। फोन लगाए, पत्र-व्यवहार किया। नतीजा नहीं निकला। बैंक वालों का कहना है कि हमने मीत के बैंक स्टेटमेंट देखे तो पता चला कि वो ऑनलाइन गेमिंग (सट्टे) में पैसा हारा है। वो पोकर, एक्को और ब्लू बर्ड ऑनलाइन सट्टे खेलता है। ज्यादातर पैसा इसी में खर्च हुआ है। फोन और पत्र से काम नहीं चला तो बैंक की कलेक्शन टीम के मैनेजर हर्षवर्धन एस. रावत, साथियों के साथ लगातार मीत के घर चक्कर काट रहे हैं। गार्ड यह कहकर रवाना कर देते हैं कि भैया नहीं हैं। मैनेजर और टीम के सदस्य सांसद लालवानी से भी मिले। उन्होंने आश्वस्त किया

कि वो मीत से बात करेंगे। आपका पैसा दिलवा देंगे। वो भी नहीं मिलते हैं। बैंक के कलेक्शन मैनेजर हर्षवर्धन एस. रावत का कहना है कि परेशान हो गए हैं। वो पैसा जमा नहीं कर रहा है। सट्टे में पैसा हार गया है। हम कानूनी कार्रवाई करेंगे।

लॉ-फर्म का नोटिस

एचडीएफसी बैंक का काम कॉन्सेप्ट लॉ एसोसिएट फर्म देखती है। फर्म ने मीत को नोटिस दिया है। उसमें कहा है कि वो कलेक्शन मैनेजर रावत से उनके मोबाइल (09499711467) पर बात कर सुबह 10 से 5 के बीच में मिलें और बैंक का पैसा जमा करें। नोटिस का भी जवाब नहीं दिया है।

पांच साल की सजा और जुर्माना

हाइकोर्ट एडवोकेट संतोष शर्मा, बैंक के वकील हैं। उनका कहना है कि पैसा जमा नहीं किया तो धारा 316 (2) और धारा 318 (4) भारतीय न्याय संहिता के तहत कोर्ट में केस लगाया जाएगा। आपराधिक विश्वासघात करने पर ये धारा लगाई जाती है। पांच साल तक की सजा और जुर्माना भी है।

लोन नहीं लिया

इधर, इस पूरे मामले में मीडिया को मीत ने बताया है कि उसने एचडीएफसी बैंक से किसी भी तरह का लोन नहीं लिया है। क्रैडिट कार्ड लोन की बात झूठी है। मेरा आईसीआईसीआई बैंक से लोन चल रहा है। इसकी बराबर किश्तें भर रहा हूं।

बच्चों का दर्द सबसे गहरी चोट की तरह मांओं के दिल में उतरता है।
दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ रहीं ऐसी ही कुछ साहसी मांओं से मिला - वे अपने ही नहीं, पूरे देश के बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

उज्जैन पुलिस ने तैयार कराया ऐप, 350 होटल जुड़े; सिंहस्थ में आएगा काम

होटल में चेक इन करते ही पहुंचेगा पुलिस को मैसेज

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में महाकाल मंदिर के आसपास होटल में रुकने वाले यात्रियों का डेटा अब एक ऐप के माध्यम से पुलिस के पास ऑनलाइन उपलब्ध है। इससे शहर में आने वाले संदिग्धों के बारे में पुलिस को तुरंत अलर्ट मिल जाएगा। साथ ही, बिना आईडी के रुकने वाले और संदिग्ध लोगों पर भी ऑनलाइन नजर रखी जा सकेगी। इसके लिए उज्जैन के 350 होटलों को ऐप से जोड़ा है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बड़ी संख्या में उज्जैन आ रहे लोगों का डिजिटल डेटा रखने के लिए GuestReport.in नामक ऐप तैयार करवाया है। इस ऐप से उज्जैन के होटलों में रुकने वाले यात्रियों के नाम, उनकी पहचान, उनका मोबाइल नंबर सहित अन्य डेटा तत्काल पुलिस थाने, थाना प्रभारी और जिले के एसपी के पास रियल टाइम में पहुंच रहा है। ऐप में होटल संचालक को रोजाना अपनी होटल में आने वाले यात्रियों की जानकारी भरनी होती है। यह जानकारी होटल की वेबसाइट सहित संबंधित थाने पहुंच जाती है।

पिछले साल आए थे 7 करोड़ श्रद्धालु

महाकाल मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले साल मध्य प्रदेश टूरिज्म के आंकड़ों में उज्जैन प्रदेश में सबसे ऊपर रहा, जहां करीब 7 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इतनी बड़ी संख्या में उज्जैन पहुंच रहे श्रद्धालुओं के बारे में होटल की जानकारी पुलिस थाने तक पहुंचने और उसे खंगालने में करीब एक से दो हफ्तों का समय लग जाता था। लेकिन, उज्जैन पुलिस के एक ऐप से यह सारा काम आसान हो गया है।

सिंहस्थ कुंभ में सबसे ज्यादा उपयोगी होगा

माना जा रहा है कि उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ के दौरान दो महीने में करीब 30 करोड़ श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। इस दौरान जो लोग होटल, लॉज, धर्मशाला में रहेंगे, उनका डेटा इस ऐप के उपयोग से पुलिस के पास रियल टाइम में उपलब्ध रहेगा। करोड़ों श्रद्धालुओं की रियल टाइम ट्रेसेबिलिटी, कौन कहां ठहरा है। इसका डेटा तुरंत उपलब्ध होगा, गुमशुदा व्यक्तियों की तुरंत पहचान हो सकेगी। यह भी पता लग सकेगा कि कौन कहां रुका हुआ है। पूरे आयोजन में सुरक्षा और निगरानी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा सकेगा। अगर कोई यात्री अपनी होटल का पता

भूल जाता है, तो भी ऐप के माध्यम से पता लगाया जा सकेगा।

होटल वालों के लिए भी उपयोगी

पुलिस के इस ऐप से न सिर्फ पुलिस को मदद मिल रही है, बल्कि होटल संचालक भी रोजाना पुलिस थाने जाकर अपनी डिटेल नोट करवाने जैसे झंझट से मुक्त हो गए हैं। जो होटल संचालक ऐप का उपयोग नहीं कर रहे हैं, उन्हें रोज सुबह होटल में रुकने वाले गेस्ट की जानकारी मैन्युअली कागज पर भरकर देनी होती है। इसके लिए रोजाना एक कर्मचारी होटल में पूरी शीट देने जाता है। इस ऐप से होटल वालों को भी कई सुविधाएं मिल गई हैं।

अभी होटलों में, बाद में आश्रम और अखाड़ों को भी जोड़ेंगे

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि प्रति वर्ष 7 करोड़ से अधिक श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भारी संख्या में होम स्टे और होटल आ गए हैं, इसलिए हमेशा अंदेशा बना रहता है कि बाहर से आने वाले लोगों की पूरी जानकारी पुलिस के पास होनी चाहिए। इन हाउस और एक पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल संचालक द्वारा सभी प्रकार के यात्रियों की जानकारी दर्ज की जा रही है।

राजा रघुवंशी मर्डर- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सामने आई सोनम

भाई विपिन ने कोर्ट में पहचाना; कहा- उसके चेहरे पर नहीं थी कोई शिकन

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में शिलॉन्ग कोर्ट में राजा के भाई विपिन के दूसरे दिन भी बयान दर्ज हुए। इन दोनों दिनों में सोनम दो बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विपिन के सामने आई। विपिन रघुवंशी ने बताया कि गुरुवार को बयान के दौरान सोनम के साथ ही कुछ अन्य महिलाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सामने लाया गया। कोर्ट ने सोनम को पहचानने के लिए कहा तो विपिन ने तुरंत ही सोनम की पहचान कर ली। इसके पहले बुधवार को भी सोनम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विपिन के सामने आई थी। विपिन ने बताया कि राज कुशवाह सहित चारों आरोपी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में उनके सामने आए थे। विपिन ने बताया कि मेरे भाई की हत्या करने वाली सोनम दो बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मेरे सामने आई। उसके चेहरे पर जरा भी शिकन नजर नहीं आई। ऐसा लग रहा था मानों उसे कोई पछतावा नहीं है।

दूसरी बार बयान देने शिलॉन्ग गए विपिन

बता दें, राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में राजा के भाई विपिन दूसरी बार शिलॉन्ग में बयान देने गए हैं। सबसे पहले उनके बयान 11 नवंबर को हुए थे। कोर्ट ने उन्हें अगले दिन यानी दोबारा बयान के लिए बुलाया था, लेकिन उन्हें कोर्ट को बताया कि वे फ्लाइट की रिटर्न टिक बुक कर चुके हैं। उन्हें अगली तारीख दे दी जाए। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें 26 नवंबर को दोबारा बयान के लिए बुलवाया था। 25 नवंबर को विपिन इंदौर से फ्लाइट से रवाना हो गए थे। इस बार वे तीन दिनों के लिए शिलॉन्ग गए हैं। बुधवार और गुरुवार को उनके बयान दर्ज किए हैं। साथ ही गुरुवार को उनसे क्रॉस भी किया गया। विपिन ने बताया कि शुक्रवार को दोबारा उन्हें कोर्ट में बुलाया है। वे सुबह कोर्ट में जाएंगे। जहां उनसे क्रॉस किया जाएगा। इसके बाद वे ही वे शिलॉन्ग से इंदौर आने के लिए निकलेंगे।

22 मई को सोहरा घूमने निकले राजा-सोनम

राजा और सोनम गुवाहाटी में एक होटल में ठहरे थे। इस होटल से कुछ ही दूरी पर दूसरे होटल में विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी ने भी कमरा बुक कराया था। तीनों इंदौर के रहने वाले थे। होटल में कमरा लेते वक्त रिसेप्शन पर कहा- हम लोग कॉलेज में एडमिशन के लिए आए हैं, कुछ दिन रुकेंगे। गुवाहाटी में राजा और सोनम जहां-जहां गए, वहां इन तीनों लड़कों की भी नजर थी। कामाख्या दर्शन के बाद राजा और सोनम 21 मई को शिलॉन्ग के लिए रवाना हो गए। यहां पहुंचने पर उन्होंने पुलिस बाजार से कुछ दूरी पर बालाजी गेस्ट हाउस में एक कमरा बुक कराया। अगले दिन यानी 22 मई को शिलॉन्ग से ही किराए पर स्कूटी ली और दोनों सोहरा यानी चेरापूंजी के लिए रवाना हो गए। सोनम ने ही डिमांड की थी कि यहां स्कूटी से ही घूमेंगे।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025

वंचित, शोषित एवं महिला वर्ग के सशक्तीकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।शिक्षा के क्षेत्र में उनका क्रांतिकारी योगदान और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध उनका अविराम संघर्ष सदैव याद रखा जाएगा।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

9 महीने की गर्भवती का शव फंदे पर मिला

नर्मदापुरम में मायका पक्ष बॉडी लेकर थाने पहुंचा, कहा- गर्भवती फंदे तक कैसे पहुंच सकती, हत्या की आशंका

न्यूज क्राइम फाइल

नर्मदापुरम के मालाखेड़ी रोड स्थित रिवर व्यू कॉलोनी में गुरुवार को एक गर्भवती नवविवाहिता तीसरी मंजिल के कमरे में फांसी पर लटकी मिली। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। महिला 9वें महीने की गर्भवती थी और 1 दिसंबर डिलीवरी डेट बताई गई थी। मायके पक्ष शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव लेकर सीधे कोतवाली पहुंचे और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए। परिजनों ने 10 मिनट तक शव गाड़ी में रखकर हंगामा किया।

मृतका के भाई अमन राजोरिया ने कहा कि आखिर कैसे गर्भवती महिला तीसरी मंजिल पर जाकर पांच फीट ऊंचाई पर चढ़कर लटक सकती है। घटना की निष्पक्ष जांच हो और आरोपियों को गिरफ्तार करें। कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर के आश्वासन के बाद परिजन शव लेकर थाने से लौटे।

सास का दावा- दो घंटे बाहर थी, वापस आई तो बहू फंदे पर थी

सास मधु मलैया ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 4.30 बजे वे मोहल्ले की महिलाओं के साथ घूमने गई थीं। उनके पति संगीत क्लास के लिए बाहर थे और घर पर बहू पूजा अकेली थी। उन्होंने बताया कि शाम 6.30 बजे जब मैं लौटी और लाइट चालू करने ऊपर गई तो बहू को फंदे पर लटका देखा। मैंने बेटे और पति को कॉल कर बुलाया। फिर बहू को उतारकर अस्पताल ले गए।

पूजा मलैया, मृतक

शादी के बाद से प्रताड़ना के आरोप, कार की मांग थी

मृतका के भाई अमन राजोरिया, विक्की राजोरिया और जीजा देवेंद्र कश्यप ने बताया कि पूजा के पति पुरुषोत्तम मलैया उज्जैन की एक निजी कंपनी में काम करते हैं। पहले वे बुदनी की ट्राइडेंट कंपनी में थे। उन्होंने कहा कि गुरुवार शाम 7 बजे सूचना मिली कि पूजा की तबीयत खराब है। अस्पताल पहुंचे तो वह मृत थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से परेशान किया जा रहा था। पूजा के माता-पिता ने एक जमीन बेची थी, तभी से ससुराल पक्ष कार की मांग को लेकर प्रताड़ना देता था।

घटना के समय घर पर अकेली थी पूजा

सास मधु मलैया ने कहा कि पूजा पूरी तरह अकेली थी। उन्होंने यह भी बताया कि पूजा का पति चार दिन पहले उज्जैन से नर्मदापुरम आया था, लेकिन पत्नी से मिलकर वापस नहीं गया।

परिजन बोले- गर्भवती सीढ़ी चढ़कर कैसे फंदे तक पहुंच सकती है

भाई विक्की राजोरिया ने सवाल उठाया कि मेरी गर्भवती बहन का 9वां महीना चल रहा था। 1 दिसंबर डिलीवरी डेट थी। तीसरी मंजिल पर पांच फीट ऊंची सीढ़ी चढ़कर फंदे पर लटकना बता रहे हैं। आखिर एक गर्भवती कैसे यह कर सकती है? परिजनों ने सुसाइड की बजाय हत्या की आशंका जताई है। उनका यह भी कहना है कि अस्पताल में ससुराल पक्ष के लोग शव छोड़कर भाग गए।

ससुराल पक्ष का आरोप- मायके वालों ने घर में तोड़फोड़ की

सास मधु मलैया ने बताया कि अस्पताल जाने के बाद घर पर मैं अकेली थी। रात करीब 8 बजे मायके पक्ष के लोग पहुंचे और घर में तोड़फोड़ की। एलईडी टीवी फेंकी, खिड़की के कांच फोड़ दिए और अन्य सामान भी फेंका। स्थिति बिगड़ने पर कोतवाली पुलिस ने घर पर दो सुरक्षा जवान तैनात किए। हालांकि मायके पक्ष का कहना है कि वे घर नहीं गए थे।

लहार के गोदाम से 83 लाख की खाद गायब...

न्यूज क्राइम फाइल

भिंड जिले में खाद संकट के बीच लहार क्षेत्र के डबल डेक खाद गोदाम में बड़ा घोटाला सामने आया है। सहकारी विपणन संघ की शिकायत पर जांच में पाया गया कि गोदाम से 83 लाख 40 हजार रुपए से अधिक मूल्य की खाद बिना किसी अनुमोदन और बिना वितरण रिकॉर्ड के गायब है। लहार थाना पुलिस ने गोदाम प्रभारी दीपक शर्मा के खिलाफ गबन का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जिले में पिछले दिनों किसान डीएपी और यूरिया की एक बोरी के लिए घंटों कतारों में खड़े रहे। इसी बीच खुलासा हुआ कि गोदाम में हजारों बोरी खाद का लेखा-जोखा ही नहीं मिल रहा था। शुरुआती जांच में पुलिस को शिकायत सही मिली, जिसके बाद केस दर्ज किया गया।

23 हजार बोरियों का हिसाब नहीं मिला

लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने कुछ दिन पहले गोदाम का निरीक्षण किया था। जांच दल ने निरीक्षण में पाया कि लहार क्षेत्र में करीब 23 हजार बोरी खाद का रिकॉर्ड नहीं है। जिला प्रशासन के अनुसार यह अनियमितता बड़ा वित्तीय नुकसान दिखाती है और बड़े स्तर पर गड़बड़ी की आशंका है।

पुलिस ने केस दर्ज किया

भारी अनियमितताओं के बाद सहकारी विपणन संघ ने आधिकारिक शिकायत पुलिस को दी। लहार थाना प्रभारी शिवसिंह यादव ने कहा कि मामला गंभीर है, गोदाम प्रभारी के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की गहन जांच जारी है, आगे और नाम सामने आने की संभावना है। पुलिस प्रशासन निरीक्षण रिपोर्ट, स्टॉक रजिस्टर और खाद वितरण रिकॉर्ड की जांच कर रहा है। घोटाले का खुलासा होते ही किसानों में नाराजगी बढ़ गई है और वे दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जबलपुर में पत्नी की हत्या करने वाले पटवारी को उम्रकैद

सरला मार्को   रंजीत मार्को

न्यूज क्राइम फाइल

राजस्व विभाग में पदस्थ रहे पटवारी रंजीत मार्को को जबलपुर जिला कोर्ट ने पत्नी की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। रंजीत वही आरोपी है जिसने पहले अपनी पत्नी का गला घोंटकर हत्या की, फिर शव को छिपाने के लिए बाइक में बांधकर 5 किलोमीटर दूर ले जाकर बांध में फेंक दिया। यह वारदात 22 अप्रैल 2024 की है। उसके खिलाफ धारा 302 और 201 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जघन्य अपराध मानते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हुई और 19 महीने बाद उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। रंजीत डिंडौरी जिले की शहपुरा तहसील में पटवारी पद पर पदस्थ था।

इंदौर में साथ पढ़े, प्यार हुआ और शादी की

रंजीत मार्को मूलत: जबलपुर की कुंडम तहसील के ग्राम चौरई का निवासी है। उसके पिता रामसिंह चौरई गांव में सचिव हैं। सरला मार्को (29) से उसकी पहली मुलाकात 2019 में एक शादी समारोह के दौरान हुई।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के नेतृत्व में हम पंजाब की जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उसी काम के लिए हम बार-बार आते हैं, और आज आकर मैं फिर प्रसन्न हूं।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

श्री कृष्ण मठ में पूजा की; सोने का कलश चढ़ाया; गोवा में भगवान राम की प्रतिमा का अनावरण किया

कर्नाटक- मोदी ने 1 लाख लोगों के साथ गीतापाठ किया

संदीप कुमार सिंह

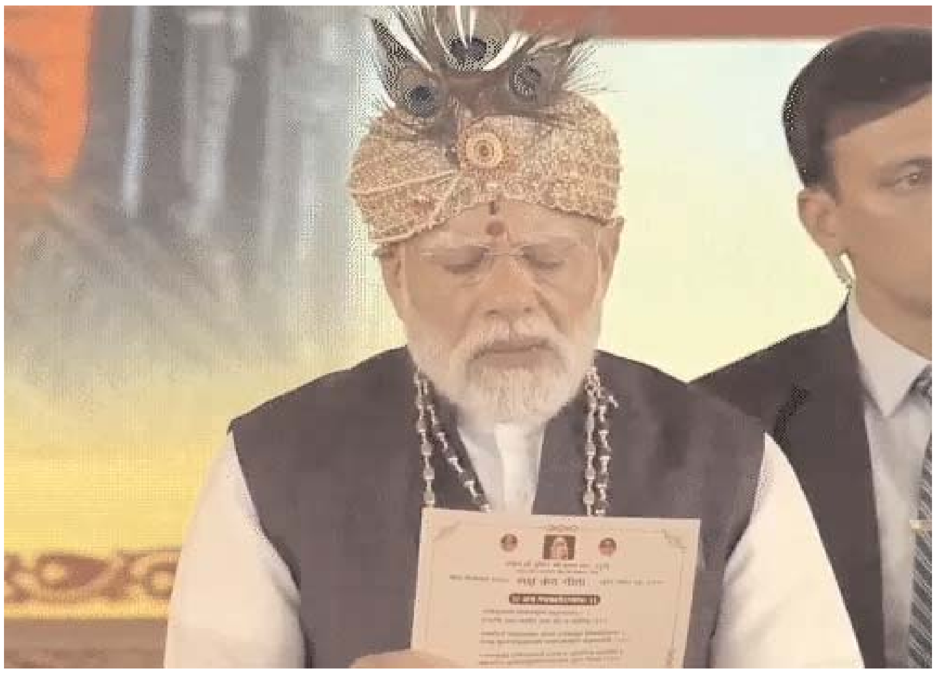

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की। यहां सुवर्ण तीर्थ मंडप का उद्घाटन किया और सोने का कलश चढ़ाया। इसके बाद पीएम ने 1 लाख लोगों के साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया। पीएम सुबह 11 बजे के करीब उडुपी पहुंचे थे। उन्होंने तीन किमी लंबा रोड शो भी किया था।

प्रधानमंत्री शाम को गोवा पहुंचे। उन्होंने कैनाकोना में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार ने यह प्रतिमा बनाई है। श्रीराम की यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया।

उडुपी आना मेरे लिए बहुत खास है। उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के अच्छे शासन के मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में उडुपी के लोगों ने जनसंघ के वीएस आचार्य को उडुपी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए चुना था। इसके साथ ही, उडुपी ने एक नए शासन मॉडल की नींव रखी।

मेरा जन्म गुजरात में हुआ, गुजरात और उडुपी के बीच गहरा संबंध रहा है। यहां स्थापित विग्रह की पूजा द्वारका में माता रुक्मणि करती थी। बाद में ये प्रतिमा यहां स्थापित हुआ। पिछले साल मैं समुद्र के भीतर द्वारका जी के दर्शन करके आया था।

हमारे समाज में मंत्रों का और गीता के श्लोकों का पाठ तो शताब्दियों से हो रहा है, पर जब 1 लाख कंठ, एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं, जब इतने सारे लोग गीता जैसे पुण्य ग्रन्थ का पाठ करते हैं, जब ऐसे दैवीय शब्द एक स्थान पर एक साथ गूंजते हैं, तो एक ऐसी ऊर्जा निकलती है, जो हमारे मन को, हमारे मष्तिष्क को एक नया स्पंदन और नई शक्ति देती है।

श्री कृष्ण ने युद्ध के मैदान में गीता का उपदेश दिया था। भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सच्चाई को वापस लाने के लिए अत्याचारी का अंत करना जरूरी है। यही नेशनल सिक्योरिटी पॉलिसी का सार है। पहले की सरकारें आतंकी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई नहीं करती थीं, पर यह नया भारत है। हम शांति स्थापित करना जानते हैं, और उसकी रक्षा भी करते हैं। प्रधानमंत्री शाम 4 बजे दक्षिण गोवा के कैनाकोना स्थित श्री संस्थान गोकर्ण परतगली जीवोत्तम मठ पहुंचेंगे। यह मठ गौड़ सारस्वत ब्राह्मण वैष्णव परंपरा का पहला प्रमुख केंद्र माना जाता है और द्वैत क्रम का अनुसरण करता है। मठ का मुख्यालय परतगली कस्बे में है, जो कुशावती नदी के किनारे स्थित है।

कैनाकोना में प्रधानमंत्री 77 फीट ऊंची कांस्य निर्मित प्रभु श्रीराम की मूर्ति का अनावरण करेंगे। साथ ही वे मठ द्वारा विकसित 'रामायण थीम पार्क गार्डन' का भी उद्घाटन करेंगे। प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने किया है, जिन्होंने गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई थी।

राहुल बोले- दिल्ली के प्रदूषण पर मोदी जी चुप क्यों

न्यूज क्राइम फाइल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर मोदी जी चुप क्यों हैं। आपकी सरकार प्रदूषण रोकने के लिए न तो कोई तुरंत कार्रवाई कर रही, न ही कोई योजना और जवाबदेही दिखा रही है। उन्होंने एक्स पर दिल्ली की महिलाओं के साथ प्रदूषण पर बातचीत का वीडियो शेयर किया। साथ में लिखा- मैं जिस भी मां से मिलता हूं, वो कहती हैं कि उनका बच्चा जहरीली हवा में सांस लेकर बड़ा हो रहा है। लोग थके, डरे हुए और गुस्से में हैं। मोदी जी भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। राहुल ने 1 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा की मांग की। साथ ही कहा इस हेल्थ इमरजेंसी से निपटने के लिए एक सख्त और तुरंत लागू करने वाले एक्शन प्लान की जरूरत है। हमारे बच्चों को बहाने नहीं बल्कि साफ हवा चाहिए।

राहुल बोले- जहरीली हवाओं से बच्चे बीमारियों का शिकार हो रहे

बच्चों का दर्द सबसे गहरी चोट की तरह मांओं के दिल में उतरता है। दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ रहीं ऐसी ही कुछ साहसी मांओं से मिला। वे अपने ही नहीं, पूरे देश के बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं। आगे कहा कि जहरीली हवा से छोटे-छोटे बच्चे फेफड़ों, दिल और मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। लेकिन इतनी भयावह राष्ट्रीय आपदा के बीच भी मोदी सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है और समय तेजी से हमारे हाथों से फिसल रहा है। भारत को तुरंत इस पर गंभीर चर्चा और निर्णायक कार्रवाई चाहिए - ताकि हमारे बच्चे साफ़ हवा तक के लिए संघर्ष न करें, बल्कि एक ऐसे भारत में बड़े हों जो उन्हें सेहत, सुरक्षा और उभरने का पूरा आसमान दे सके। देश में वायु प्रदूषण का संकट अनुमान से कहीं ज्यादा बढ़ चुका है। 749 में से 447 जिलों (करीब 60%) की हवा में पीएम 2.5 का सालाना औसत राष्ट्रीय मानक से ज्यादा है। पीएम 2.5 का राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) 40 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर है। 19 राज्यों में प्रदूषण का वार्षिक औसत भी राष्ट्रीय मानक से ज्यादा है। एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि देश का कोई भी जिला या राज्य वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के 5 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर के मानक पर खरा नहीं है। 50 सर्वाधिक प्रदूषित जिले चार राज्यों- दिल्ली, असम, हरियाणा और बिहार में ही केंद्रित हैं।

ऊर्जा और स्वच्छ हवा पर काम करने वाले संगठन सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की सैटेलाइट बेस्ड रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली, त्रिपुरा, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मेघालय और चंडीगढ़ में मानसून के अलावा हर मौसम में सभी जिले मानक से ज्यादा प्रदूषित रहे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623